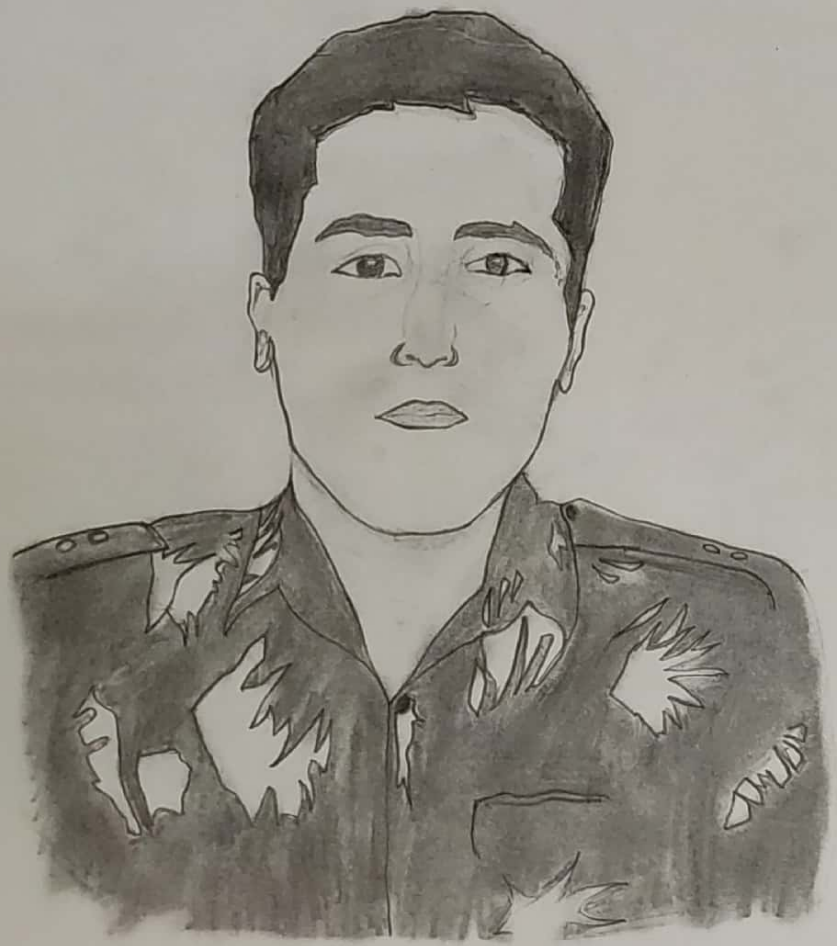

कैप्टन विक्रम बत्रा

वीरगाथा

कैप्टन विक्रम बत्रा (1974 - 1999)

कैप्टन विक्रम बत्रा का जन्म 9 सितंबर 1974 को पालमपुर, हिमाचल प्रदेश में हुआ था। इनके पिता का नाम गिरधारी बत्रा एवं माता का नाम कमल कांता बत्रा था। उन्होंने डी.ए.वी पब्लिक स्कूल में पढ़ाई की और वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए केंद्रीय विद्यालय में प्रवेश लिया। वह कराटे में ग्रीन बेल्ट थे व बीएससी और चिकित्सा विज्ञान में स्नातक थे। एनसीसी में उन्हें कैप्टन विक्रम बत्रा का रैंक मिला। 1994 में एनसीसी कैडेट के रूप में परेड की और माता-पिता की फौज में भर्ती होने की इच्छा बताई। उनका चयन भारतीय सेना में हुआ व वह शीर्ष 35 मेरिट उम्मीदवारों में शामिल थे। सोपोर, बरमूला, जम्मू कश्मीर में उन्हें पहली पोस्टिंग मिली।

ये दिल मांगे मोर :- 20 जून 1999 प्वाइंट 5140 पर कब्जा करने के बाद इस चोटी से बत्रा ने रेडियो पर संदेश दिया कि 'ये दिल मांगे मोर' इस ऑपरेशन के दौरान बत्रा को 'शेरशाह' कोड नाम दिया गया।

7 जुलाई 1999, कारगिल युद्ध में प्वाइंट 4875 चोटी पर उन्होंने कई दुश्मनों को मारा और इस दौरान शहीद हो गए। कारगिल युद्ध 1999 में उनके योगदान के लिए उन्हें भारत का सर्वोच्च व सबसे प्रतिष्ठित सैन्य अलंकरण परमवीर चक्र प्राप्त हुआ। वह बेटल ऑफ प्वाइंट 5140 व बेटल ऑफ प्वाइंट 4875 का हिस्सा रहे साथ-साथ ऑपरेशन विजय में भी कैप्टन बत्रा शामिल थे। 24 साल की उम्र में ही उन्होंने अपने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उनके इस बलिदान पर वर्ष 2021 में 'शेरशाह नामक' फिल्म भी बनी। पूरे देश को कैप्टन बत्रा पर गर्व है अतः उनके बलिदान का हम सम्मान करते है इसके लिए हम उनके ऋणि रहेंगे।

Scanned with CamScanner